वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 204 | शनिवार 19 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राज्यपाल की शिष्टाचार भेंट

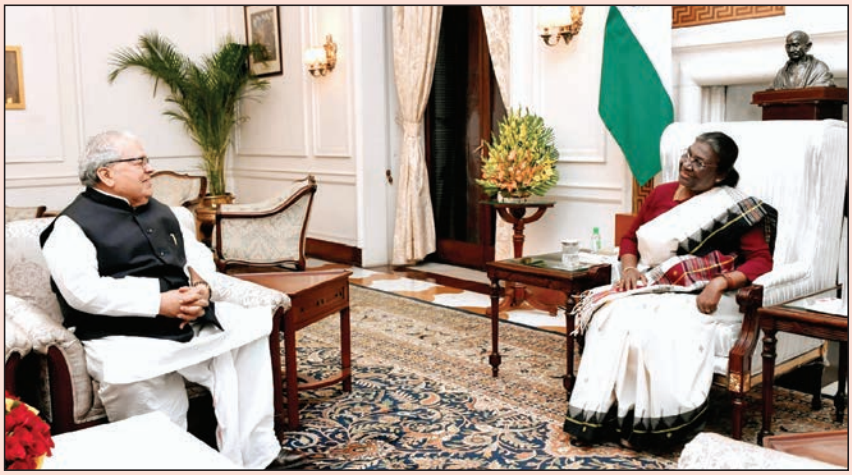

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। मुलाकात के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू को संवैधानिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजभवन में बन रहे संविधान पार्क के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उप राष्ट्रपति धनखड़ से शिष्टाचार भेंट: इससे पहले, राज्यपाल मिश्र ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से नई दिल्ली में शिष्टाचार मुलाकात की।

राज्यपाल की प्रधानमंत्री से मुलाकात

प्रदेश के विकास, संविधान जागरुकता से जुड़े मुद्दों पर की चर्चा

जयपुर. कासं। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को राजभवन में बन रहे संविधान पार्क में भारतीय संविधान निर्माण से जुड़े इतिहास और उससे जुड़े शिल्प कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने राजभवन स्थित संविधान पार्क में निर्मित हो रहे संविधान यात्रा से जुड़े शिल्प और अन्य निर्माण कार्यों के छाया-चित्रों का एलबम भी भेंट किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के राजभवन में संविधान पार्क के निर्माण को ऐतिहासिक पहल बताते हुए इसकी सराहना की। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 2025 तक टीबी की बीमारी को मिटाने के लिए राजस्थान में किए जा रहे कार्यों की प्रगति से उन्हें अवगत कराया।

विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह 18 से 24 नवम्बर तक

पोस्टर विमोचन कर जागरूकता सप्ताह का शुभारम्भ किया

जयपुर. कासं

चिकित्सक की सलाह के बिना किसी भी दवा का सेवन नहीं करें: चिकित्सा मंत्री

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने शुक्रवार को अपने राजकीय आवास से रोगाणुरोधी प्रतिरोध के जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने गुब्बारे उड़ाकर वर्ल्ड एंटीमाइक्रोबियल अवेयरनेस वीक (18 से 24 नवम्बर) का शुभारम्भ किया। चिकित्सा मंत्री ने आमजन से अपील की है कि चिकित्सक की सलाह के बिना किसी भी दवा का सेवन नहीं करें, चिकित्सक की सलाह के अनुसार दवा का कोर्स पूरा करें तथा बची हुयी दवाई न तो किसी अन्य को दें और न ही डॉक्टर की सलाह के बिना स्वयं इसका सेवन करें। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता रखें तथा गुणवत्तायुक्त स्वच्छ पौष्टिक भोजन का सेवन करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों में सभी प्रकार की आईपीडी एवं ओपीडी सेवाएं प्रदेशवासियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध हैं। इस दौरान मिशन निदेशक एनएचएम सुधीर शर्मा, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. के.एल.मीणा, आईडीएसपी के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ प्रवीण असवाल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सीनियर प्रोफेसर डॉ. भारती मल्होत्रा, एंटीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस कार्यक्रम की स्टेट कॉर्डिनेटर रूचि सिंह सहित निदेशालय के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं इस कार्यक्रम के डवलपमेंट पार्टनर पाथ के सहयोग से किया जा रहा है। इस एक सप्ताह के दौरान रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए प्रदेशभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। प्रदेशस्तरीय कार्यक्रमों के साथ-साथ जिला स्तर पर क्वीज और शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे, ताकि लोग एंटीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस के प्रति जागरूक हो। एंटीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस या रोगाणुरोधी प्रतिरोध एक ऐसी स्थिति है जिसमें रोग पैदा करने वाले रोगाणु जैसे बैक्टीरिया, वायरस, फंजाई तथा पैरासाइट दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। आम बोलचाल की भाषा में किसी सूक्ष्मजीव (वायरस, बैक्टीरिया आदि) के संक्रमण के ईलाज के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा के प्रति उस सूक्ष्मजीव दवारा प्रतिरोध क्षमता हासिल कर लेना ही एंटीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस है। इसके परिणामस्वरूप मानक उपचार अप्रभावी या कम असरदार रहते हैं तथा इससे बीमारी के फैलने तथा मृत्यु की संभावना रहती है।

> सदी के सबसे बड़े जैन पंचकल्याणक का आयोजन

1143 प्रतिमाओं की होगी प्राण प्रतिष्ठा

16 स्वप्नों के दिखाए जाएंगे मनोरम दृश्य

शाबाश इंडिया

पूज्य कानजी स्वामी की प्रेरणा से निर्मित, ज्ञान प्रचार में सदैव अग्रणीय दिगम्बर जैन धर्म की सुप्रसिद्ध संस्था पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर के निर्देशन में कुंदकुंद कहान दिगंबर जैन शासन प्रभावना ट्रस्ट के द्वारा आध्यात्मिक सत्पुरुष कानजी स्वामी के पुण्य प्रभावना योग में नवनिर्मित विशालतम जिनालय ढाईदीप जिनायतन इंदौर में सदी के सबसे बड़े ऐतिहासिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन होने जा रहा हैं। जिसमें 1143 दिगम्बर जिनबिम्बों की प्राण प्रतिष्ठा होगी।

20 जनवरी शुक्रवार से गुरुवार 26 जनवरी 2023 तक संपन्न होने वाला आदिनाथ दिगंबर जैन पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव जैन समाज का एक आदर्श एवं अनुकरणीय पंचकल्याणक होगा। यह पंचकल्याणक जैन समाज में संपन्न में सभी पंचकल्याकों में सबसे महान एवं विशाल होगा।

यह महापंचकल्याणक 20 तारीख से प्रारंभ होगा। जिसके प्रथम दिन गर्भ कल्याणक की पूर्व प्रक्रिया स्वरूप 16 स्वप्नों के मनोरम दृश्य दिखाए जाएंगे। 21 तारीख को भगवान के गर्भ कल्याणक का महामहोत्सव मनाया जाएगा। 22 तारीख को भगवान के जन्म कल्याणक के अवसर पर 1008 कलशों से सुमेरु पर्वत के शिखर पर बाल तीर्थंकर का जन्माभिषेक किया जाएगा। 23 तारीख को दीक्षा कल्याणक के अवसर पर दानतीर्थ के प्रवर्तन स्वरूप आहार दान की विधि संपन्न होगी। 24-25 तारीख को 2 दिन भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव वृहद स्तर मनाया जाएगा। जहां अलौकिक

सौंदर्य युक्त समवशरण का निर्माण कर तीर्थंकर परमात्मा की दिव्यध्वनि खिरगी। 26 तारीख को भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पश्चात ढाईद्वीप में स्थित 1143 प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कर उन्हें पूज्य बनाया जाएगा। तीर्थधाम ढाईद्वीप जिनायतन विश्व की अद्वितीय रचना है। जो भारत के सबसे स्वच्छ, मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर नगर में स्थित हैं। यह रचना, मात्र रचना नहीं बल्कि ढाईद्वीप में स्थित समस्त तीर्थंकर भगवन्तों, अकृत्रिम चैत्यालयों को लिए हुए जीवंत प्रतिकृति हैं। जिसमें जैन शास्त्रों में वर्णित करणानुयोग के आधार से एक-एक इंच, पर्वतों नदियों जिनालयों की संख्या, जिनालयों के नाम, पर्वतों के रंग व नामों की सार्थकता का विशेष ध्यान रखा गया हैं। गुरुदेव कानजीस्वामी के पुण्य प्रभावना योग में मुमुक्षु समाज में अनेक संकुलों का निर्माण हुआ। उसमें यह जिनायतन संपूर्ण मुमुक्षु समाज के लिए अद्वितीय स्थान बन रहा हैं। लगभग डेढ़ एकड़ में फैला यह संकुल जिसमें 24 हजार स्क्वायर फीट का विशाल ढाईद्वीप जिन मंदिर, जो करीब 18 हजार स्क्वायर फीट का विशाल स्वाध्याय भवन है। जिसमें एक विशाल आडिटोरियम, बहिन बेन चित्रालय, विशाल पुस्तकालय और विश्व की सबसे बड़ी विदेह क्षेत्र में साक्षात विराजमान सीमंधर स्वामी की 33 इंच की स्फटिकमणि की प्रतिमा विराजमान है। साथ ही 56 कमरों का आधुनिक सुसज्जित गेस्ट हाउस, 24 वन बीएचके फ्लैट का विद्वत निवास, 24 कमरों का छात्रावास, 4500 स्क्वायर फीट की विशाल भोजनशाला, 17 कमरों का स्टाफ क्वार्टर स्थित हैं प्रकृति के निकट और गोम्मटगिरी की तलहटी में स्थित यह विशाल प्रांगण अत्यंत भव्य एवं मनोहारी हैं। यह संकुल इंदौर आने वाले प्रत्येक जनमानस के लिए सर्वसुविधायुक्त एवं रमणीय स्थान-एयरपोर्ट से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है। तीर्थधाम ढाईद्वीप जिनायतन पंचकल्याणक समिति के महामंत्री एस पी भारिल्ल ने बताया कि इंदौर में बन रही ये रचना अद्वितीय है जिसमें 1143 जिनबिम्म विराजमान होंगे। पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के निर्देशन में होने जा रहे कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनने के लिए लोग दुनिया भर से लोग शिरकत करेंगे। ये न केवल धार्मिक महत्व की दृष्टि से बल्कि पर्यटन के नजरिए से भी महत्वपूर्ण स्थल होगा।

निवाई मे त्रिसंगम संतो का हुआ मंगल प्रवेश

मंगल प्रवेश के उपलक्ष्य में शांतिधारा का हुआ आयोजन

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य विद्यानन्दी महाराज के शिष्य जैन मुनि अनुमान सागर महाराज , एवं भारत गोरव आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संध एवं आर्यिका आनन्द मति माताजी का सुबह श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि जैन मुनि शुक्रवार को टोंक से विहार करते हुए सोहेला बरुणी होते हुए निवाई के अग्रवाल जैन मंदिर पहुंचने पर आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संध एवं आर्यिका आनन्द मति माताजी संध के मधुर मिलन के साथ समाज के श्रद्धालुओं द्वारा आरती एवं चरण प्रक्षालन करके अगुवानी की। त्रिसंगम संतो का मधुर मिलन देखकर श्रद्धालु अभिभूत हुए। जौंला ने बताया कि अनुमान सागर महाराज के सानिध्य में मंगल प्रवेश को लेकर विश्व शांति की कामना के लिए भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा का आयोजन किया गया जिसमें भगवान शांतिनाथ पार्श्वनाथ एवं महावीर भगवान की सुशील जैन आरामशीन एवं शंभु कठमाणा के द्वारा शांतिधारा की गई।

प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम

उदयपुर. शाबाश इंडिया। विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र, उदयपुर ने गाँव आमीवाडा के राजीव गाँधी सेवा केन्द्र पर **''केवीके के माध्यम से प्राकृतिक खेती का विस्तार''** परियोजना के अंतर्गत प्राकृतिक खेती विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित किया। इसमें झाड़ोल क्षेत्र के आस-पास के गाँव के 165 किसानों एवं विस्तार कार्यकताओं ने भाग लिया। आदिवासी बहुल क्षेत्र जहाँ खेती और पशुपालन ही आजीविका का मुख्य आधार है। वर्तमान में खेती में कम जोत कम हो रही है ऐसे में कम लागत से अधिक लाभ केवल कृषि में नवाचार करना, अनुसंधान के परिणाम से प्राप्त वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग एवं प्राकृतिक खेती करना ही एकमात्र विकल्प है। प्राकृतिक खेती पद्धति से फसलों को उगाने में किसी भी प्रकार के रासायनिक खादों, कीटनाशकों इत्यादि के प्रयोग के बिना सफल एवं सतत खेती कर किसान जहर मुक्त खाद्यान्न का उत्पादन कर सकता है।

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में विधान के लिए है सभी अनुकूलताएं : विजय धुर्रा

जगत कल्याण की कामना के लिए की महा शान्ति धारा

थूवोनजी में हुआ सिद्धचक्र महा मंडल विधान का शुभारंभ

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जिले के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से प्रतिष्ठा चार्य विजय भइया लखनादौन के निर्देशन पुण्यर्जक परिवार सुभाष चन्द्र, मनोज कुमार, नीरज कुमार भोला स्टूडियों परिवार के द्वारा ध्वजारोहण के साथ प्रारंभ हुआ। प्रातः जगत कल्याण की कामना के लिए थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी की महा शान्ति धारा की गई ।

भक्तों को अधिकतम सुविधाएं की और है कमेटी का ध्यान

इसके पहले दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि दर्शनोंदय तीर्थ पर अब महा विधान के लिए सभी तरह की अनुकूलता हो गई है । कमेटी के अध्यक्ष अशोक टिंगू मिल, महामंत्री विपिन सिंघाई के नेतृत्व में कमेटी निरन्तर प्रयास कर रही है कि यात्रियों वह भक्तों को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए । हम सब के बीच प्रतिष्ठा चार्य विजय भइया लखनादौन का आना सौभाग्य की बात है । बड़े बड़े सन्तों के सान्निध्य में महोत्सव करने वाले आदरणीय भइया जी का कमेटी अभिनन्दन करते हुए गौरव का अनुभव कर रही है । इस दौरान कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि नगर के भोला स्टूडियों परिवार को सिद्धो की महा आराधना का सौभाग्य मिला है । कमेटी सुभाषचन्द्र, मनोज कुमार, नीरज कुमार भोला स्टूडियों परिवार का अभिनन्दन कर हर्षित हो रही है । आठ दिनों तक चलने वाली इस महा आराधना से सभी लाभान्वित होंगे। इसके पहले प्रतिष्ठा चार्य विजय भइया लखनादौन के श्री मुख से जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति

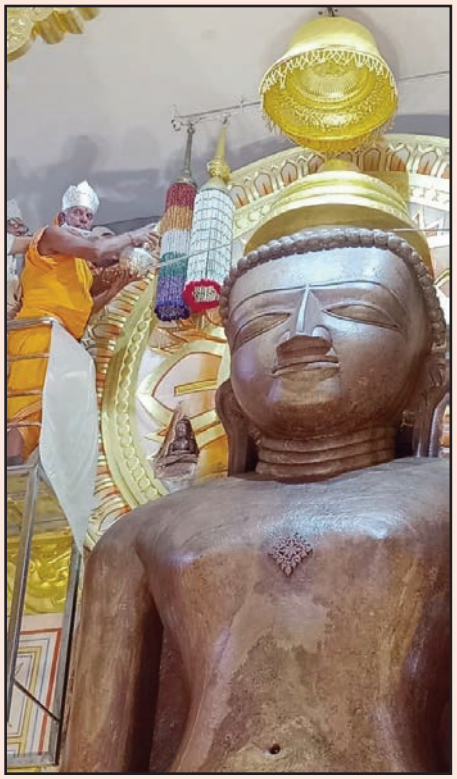

धारा हुई जिसका सौभाग्य फूल चन्द्र, रमेश चंद्र पोसेरिया परिवार गुना, राकेश अमरोद, प्रदीप रानी पिपरई के साथ ही कोटा के पदम चन्द्र, नरेंद्र कुमार जैन सहित अन्य भक्तों को मिला।

श्री महावीरजी में भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक महोत्सव

मंगलाचरण भक्तामर अनुष्ठान से होगा, विद्या सागर यात्रा संघ देगा प्रस्तुति, लाखों की संख्या में पहुंचेंगे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। संपूर्ण विश्व को अहिंसा और जीओं और जीने का संदेश देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी की भू गर्भ से प्रकटित, अति मनोज्ञ और अतिशय कारी प्रतिमा के आगामी 27 नवम्बर से होने वाले महामस्तकाभिषेक महोत्सव का मंगलाचरण श्री भक्तामर अनुष्ठान से होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल होंगे। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि यह आयोजन पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रारम्भ होने के एक दिवस पूर्व बुधवार, 23 नवंबर को दोपहर 1.15 बजे मुख्य मंदिर परिसर में आयोजित होगा। यह आयोजन वात्सल्य वारिधि परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य और श्राविका श्रेष्ठ श्रीमति सुशीला पाटनी धर्मपत्नि अशोक पाटनी आर.के मार्बल्स परिवार किशनगढ़ के निर्देशन में संपन्न होगा।

वेद ज्ञान

'धर्म' नियोजित जीवन...

हमारे क्षणभंगुर जीवन में 'धर्म' का तात्पर्य धारण करने, धारणा बनाने से है। जीवन-मृत्यु, ईश्वर-नश्वर के बारे में चेतना से या सकारात्मक रहकर जो कुछ भी धारण किया जाएगा और जो वैचारिक धारणा बनेगी, वही 'धर्म' कहलाएगी। परंतु वर्तमान मानव जीवन 'धर्म' की नकारात्मक और प्रतियोगी वैचारिकी से ग्रस्त है। यदि किसी नकारात्मक और जीवन से निराश व्यक्ति को 'धर्म' के बारे में बताने लगें तो वह और ज्यादा नकारात्मकता ओढ़कर 'धर्म' और धार्मिक गतिविधियों को अपने कुतर्कों से गलत सिद्ध करने का निर्थक प्रयास करता है। ऐसे लोगों को समझना होगा कि 'धर्म' के अंतर्गत उन्हें कभी भी किसी विशेष विचार को अपनाने के लिए नहीं कहा जाएगा, बल्कि उन्हें यह समझने की आवश्यकता है कि धर्म जीवन-जगत की प्राकृतिक धारणाओं को पूर्वाग्रह के बिना स्वीकार करने और उनके प्रति आभार प्रकट करने की पुण्य प्रवृत्ति है। यह इसलिए, क्योंकि हमारा जीवन हमारा अपना बनाया हुआ नहीं है। इसमें माध्यम तो हमारे माता-पिता बनते हैं, परंतु जिन पंचतत्वों के सम्मिश्रण से हमारे माता-पिता व हमारा जन्म होता है, उन्हें निर्मित, व्यवस्थित व संतुलित करने वाला तो कोई और ही है। इसीलिए जीवन में कुछ समय विचरण करने के बाद और अपने भौतिक ताने-बाने को खोकर हमारा आत्म-स्वरूप में जैसा या जो भी निरूपण होता है हमें उसके निर्धारक जगतपति ईश्वर के लिए शुभकामनाएं देनी चाहिए। हमें 'धर्म' के जगतव्यापी संस्कारों को अपनाना होगा। साथ ही स्वयं की सकारात्मक धार्मिक कल्पनाओं का विकास भी करना होगा। जब प्राकृतिक विधान, यम-नियम भी 'धर्म' से संचालित हैं, तब भी उसके प्रति निकृष्ट आचार-व्यवहार करने का नास्तिक अभ्यास यदि होता रहता है तो समझ लेना चाहिए कि नास्तिक लोगों का जीवन ही विकारग्रस्त है। इस तरह नास्तिक व्यक्ति अपने मूल्यवान मानवीय स्वरूप को कुतर्कों और विवादों की कृत्रिम चादर ओढ़ाकर उसे व्यर्थ करने पर ही तुले हुए हैं, जबकि दूसरी ओर 'धर्म' नियोजित मानवीय जीवन निरंतर जीवन के सर्वश्रेष्ठ उद्देश्य की ओर बढ़ता रहता है।

संपादकीय

मोरबी हादसे को लेकर अब अदालत सक्रिय

गुजरात में एक सौ चालीस लोगों की जान लेने वाले मोरबी हादसे को लेकर अब अदालत सक्रिय हो गई है। गुजरात हाई कोर्ट ने पिछले हफ्ते इस हादसे पर स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने मोरबी नगर पालिका को नोटिस जारी कर सोमवार तक कुछ सवालों के जवाब दाखिल करने को कहा था। लेकिन नगर पालिका ने सोमवार तक जवाब नहीं दिए, सो हाई कोर्ट ने फटकार लगा दी और कह दिया कि चौबीस घंटे में जबाव नहीं दिया तो एक लाख रुप्ए का जुमार्ना लगा दिया जाएगा। जवाब फिर भी दाखिल नहीं हुआ। नगर पालिका के वकील ने तर्क दिया कि नगर पालिका के प्रभारी और डिप्टी कलक्टर चुनाव ड्यूटी पर हैं, इसलिए ऐसा नहीं हो पाया। यानी अब तक कि स्थिति यह है कि तमाम फटकारों और चेतावनी के बावजूद मोरबी हादसे पर अदालती सुनवाई तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रही है। बहरहाल यह बात सही साबित हो रही है कि हादसे हों या सरकारी लापरवाहियां या फजीर्वाड़े या भ्रष्टाचार

के मामले, उनकी जांच पड़ताल और अदालती कार्यवाहियों में देर लगती या लगाई जाती है। लेकिन मोरबी हादसा बहुत ज्यादा गंभीर मामला है। लिहाजा उम्मीद की जानी चाहिए कि देर कितनी भी हो जाए, अंधेर नहीं हो पाएगा। इतिहास की एक धरोहर के रूप में खड़ा यह नायाब पुल इस साल 30 अक्तूबर को ढह गया था। इस हादसे में एक सौ चालीस लोग मर गए। इसी वजह से यह ज्यादा सुर्खियों में आया। मीडिया की पड़ताल में ऐसे अंदेशे जताए जाने लगे कि पुल की मरम्मत और जीर्णोद्धार के काम में भारी लापरवाही और अनियमितताओं के कारण पुल गिर गया। लेकिन हादसे के हफ्तेभर बाद तक इस मामले में ज्यादा कुछ होते नहीं दिखा। उसी बीच मीडिया की कुछ खबरों पर अदालत की नजर चली गई और उसने संज्ञान लेते हुए खबर को एक जनहित याचिका मान लिया और इस पुल के रखरखाव की जिमम्मेदार नगर पालिका को नौ नवंबर को नोटिस जारी कर दिए। तब से यही इंतजार हो रहा था कि नगर पालिका के जिम्मेदार अफसर सवालों के जवाब देगें और पता चलेगा कि गड़बड़ कहां हुई। लेकिन एक हफ्ता और गुजर गया, पर गड़बड़ी और उसे करने वालों को कठघरे में लाने का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। हालांकि अदालत का रुख देख कर लग रहा है कि देर भले हो जाए, पर जिम्मेदार अफसरों या कर्मचारी या पुल के ठेकेदारों या मरम्मत के लिए हुए करार के दोषी पक्षकार बच नहीं पाएंगे। अदालत के स्वतः संज्ञान से दाखिल हुई जनहित याचिका पर अब तक की कार्यवाही से कुछ सवाल जरूर खड़े हो गए हैं। हालांकि अदालत के इन सवालों के जवाब दाखिल होने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि इस पुल की मरम्मत के काम के लिए कोई टेंडर हुआ था या नहीं। यह भी तभी पता चलेगा कि पुल के रखरखाव के लिए किस तरीके का ठेका या करार किया गया। यह सवाल भी कम महत्त्व का नहीं है कि डेढ़ सौ साल पुरानी इस ऐतिहासिक धरोहर के मामले में किसी निजी कंपनी से अनुबंध का पूरा दस्तावेज सिर्फ डेढ़ पेज में ही कैसे निपट गया।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भारत से उम्मीद...

इंडोनेशिया के बाली द्वीप में समूह बीस (जी 20) देशों की सालाना शिखर बैठक इस संकल्प के साथ खत्म हुई कि किसी भी सूरत में रूस-यूक्रेन रुकवाना ही होगा। बैठक के बाद सभी देशों की सहमति से जो साझा बयान जारी हुआ, उसमें इस प्रतिबद्धता पर जोर यही रेखांकित करता है कि दुनिया अब और युद्ध नहीं चाहती। महत्त्वपूर्ण बात तो यह है कि आने वाले वक्त में इस महाप्रयास में भारत को अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। इसलिए भी कि अब समूह बीस की अध्यक्षता भारत को करनी है और अगली शिखर बैठक दिल्ली में होगी। रूस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में देखें तो समूह बीस एक महत्त्वपूर्ण संगठन इसलिए भी है कि इसमें वे विकसित और विकासशील देश शामिल हैं जो रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर बंटे हुए हैं। ऐसे में यह समूह युद्ध रुकवाने की मुहिम में कितना सफल हो पाता है, यह वक्त ही बताएगा। यूक्रेन पर हमला करने वाला रूस भी इस समूह का सदस्य है। बाली की बैठक में जिस तरह से युद्ध का मुद्दा छाया रहा और रूस के रवैए की आलोचना हुई, उससे रूस की नाराजगी स्वाभाविक है। ऐसे में युद्ध रुकवाने के लिए कौन कितने और कैसे प्रयास करेगा, यह बड़ा सवाल है। रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत का रुख शुरू से ही स्पष्ट है। भारत कहता ही रहा है कि युद्ध तत्काल रुकना चाहिए और कूटनीतिक तरीकों से समस्या का हल खोजा जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस साल सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बातचीत में साफ कहा था कि आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। उनके इस संदेश गूंज बाली शिखर बैठक में भी सुनाई देने का मतलब साफ है कि अब कोई भी जंग नहीं चाहता। दुनिया के परिणाम कितने भयावह होते हैं, यह सब देख ही रहे हैं। लगभग सभी देश किसी न किसी रूप में युद्ध की मार झेल रहे हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था की चूलें हिली पड़ी हैं। महंगाई से हर देश परेशान है। अर्थव्यवस्था में मंदी और महंगाई के साथ ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है, सो अलग। इसके अलावा इस युद्ध ने वैश्विक खाद्य संकट भी खड़ा कर दिया है। इसलिए अब उन देशों को युद्ध का कूटनीतिक समाधान निकालने पर ज्यादा तेजी से काम करना होगा जो इस मुद्दे पर खेमेबाजी में फंसे हैं और युद्ध के कारण पैदा हालात की मार झेलने को मजबूर हैं। ऐसा नहीं कि जंग खत्म नहीं हो सकती। अगर कुछ देश वैश्विक राजनीति में दबदबा बनाने के लिए अपने स्वार्थों को त्याग दें, तो समाधान का रास्ता निकलने में कोई बहुत वक्त नहीं लगने वाला। रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत शुरू से ही तटस्थ रहा और अमेरिका व पश्चिमी देशों के तमाम दवाबों के बावजूद किसी खेमे में शामिल नहीं हुआ। संयुक्त राष्ट्र में भी भारत इसी नीति पर चला। रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों ने रूस और उससे तेल खरीदने वालों पर जिस तरह के प्रतिबंधों की बात की है, उसका भारत ने बाली सम्मेलन में भी कड़ा विरोध किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया के तमाम देश भारत को एक ऐसे नेता के रूप देख रहे हैं जो शांति और कूटनीति के जरिए मौजूदा युद्ध संकट से मुक्ति दिलवाने की दिशा में बड़ी भूमिका निभा सकता है। लेकिन भारत अकेला तो यह नहीं कर सकता। इसके लिए सभी को साथ आना होगा।

युवाओं ने श्रद्धा-भक्ति के साथ ''मासिक णमोकर महामंत्र'' का अनुष्ठान किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ द्वारा रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक दितीय मासिक णमोकर महामंत्र जाप का आयोजन मानसरोवर एक्सटेंशन में स्थित कॉलोनी में संभाग प्रचार मंत्री हर्षित गोधा के निवास स्थान पर किया गया। जिसमे बड़ी संख्या में श्रावकों ने एकत्रित होकर ना केवल णमोकार महामंत्र जाप किया बल्कि भजनों का भी श्रद्धा-भक्ति के साथ गुणगान किया। व्यवस्था संयोजक अनंत जैन और प्रियंका जैन ने जानकारी देते हुए बताया की अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ द्वारा समाज के युवाओं में धर्म की प्रभावना बढ़ाने के मूल उद्देश्य को लेकर मासिक णमोकार महामंत्र जाप के आयोजन का शुभारंभ अक्टूबर माह में किया था, जिसका द्वितीय कार्यक्रम स्वः श्रीमती निधि गोधा की प्रथम पुण्य स्मृति के अवसर पर आयोजित किया गया। इस आयोजन में संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारियों और सदस्यों सहित गोधा परिवार के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मासिक णमोकार महामंत्र जाप का आयोजन हर महीने सदस्यों के निवास स्थान पर आयोजित किया जायेगा। अभी फिलहाल मानसरोवर संभाग में यह आयोजन शुरू हुआ है दिसंबर महीने से किशनपोल संभाग में भी हर महीने यह आयोजन आयोजित किया जायेगा।

एंबीशन किड्स में आयुष हेल्थ अवेयरनेस तथा हेल्थ चेक अप कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार एवं स्वास्थ्य कल्याण हॉस्पिटल के सहयोग से एंबीशन किड्स एकैडमी विद्यालय में आयुष अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके तहत विद्यालय के सभी विद्यार्थियों का स्वास्थ्य कल्याण हॉस्पिटल के डॉक्टर्स पैनल द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। प्रोफेसर डॉ अंशुल चाहर ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉक्टर्स पेनल में डॉ प्रीति श्रीवास्तव , डॉ रिया गुप्ता , डॉक्टर सोनू चौधरी , डॉ मेघा शंकर , डॉ मनोज कुमार, डॉ संहिता अली , डॉ नवीन यादव एवं डॉ भूरी सिंह ने नन्हे -मुन्ने बालकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा अपनी रिपोर्ट विद्यालय प्राचार्या डॉ. अलका जैन को सौंपी । इसके पश्चात कार्यक्रम की अगली कड़ी में आयुष अवेयरनेस कार्यक्रम के तहत होम्योपैथी अवेयरनेस पर एक सेमिनार का आयोजन भी किया गया, जिसमें डॉ अंशुल चाहर ने बताया की आयुष पांच पद्धति से मिलकर बना है - ए - आयुर्वेद को इंगित करता है । जिसमें जड़ी बूटी से इलाज किया जाता है। वाई - योगा को तथा यू - यूनानी शब्द को इंगित करता है। इसमें ऑयल तथा ऑइंटमेंट से ट्रीटमेंट किया जाता है। यहां एस शब्द सिद्धा के रूप में प्रयुक्त है, जो साउथ इंडिया में प्रयोग किया जाता है तथा अंत में एच शब्द होम्योपैथी को रिप्रेजेंट करता है। होम्योपैथी में हर असाध्य बीमारी का इलाज संभव है ,चाहे एक्यूट डिजीज हो अथवा क्रॉनिक डिजीज हो। होम्योपैथी दवाइयों का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। इसी वजह से यह देखा गया है कि वर्तमान परिपेक्ष में होम्योपैथी का चलन अत्यधिक हो गया है तथा बच्चों को इन दवाइयों को लेने में भी कठिनाई नहीं होती क्योंकि मीठी गोली के द्वारा ही मरीज का रोग निवारण कर दिया जाता है।

बेटी प्रीमियर लीग की विजेता बनने पर जेके मसाले की 'बेटी' टीम सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

हाल ही में जयपुरिया क्रिकेट ग्राउंड पर हुई बेटी प्रीमियर लीग में जेके मसाले की टीम बेटी ने सम्मान टीम को 68 रनों से हराकर इस प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टीम की इस उपलब्धि पर जेके मसाले के निर्देशक विकास जैन ने आज हुए समारोह में 51 हजार का चैक देकर सम्मानित किया। इस मौके पर राजधानी कृषि उपज मंडी व्यापार मंडल के अध्यक्ष रामचरण नाटाणी, मंत्री अविनाष जैन व बेटी टीम के कोच एसएस भाटी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए फाइनल में बेटी टीम के कप्तान रिद्धी शर्मा ने टॉस जीतते हुए पहले बल्लेबरजी करने का खेलने का फैसला किया। बेटी टीम ने पहले खेलते हुए 10 ओवरों के इस मैच में रिया टकसाली के 35 रनों व प्रिया यादव के शानदार 35 रनों की बल्लेबाजी की बदौलत टीम ने 5 विकेट खोकर 107 रन बनाए। जवाबी पारी में सम्मान टीम 9 विकेट खोकर 10 ओवरों 39 रन ही बना पाई और यह फाइनल मैच 68 रनों से हार गई। 35रनों की बेहतरीन पारी व 2 विकेट लेने वाली बेटी टीम की प्रिया यादव मैन ऑफ दी मैच रही। इस मौके पर विजेता रही जेके मसाले की बेटी टीम को विजेता ट्रॉफी पर देकर सम्मानित किया। सुरक्षा,शिक्षा,स्वाभिमान को समर्पित बेटी टीम इस मैदान पर

कोच एसएस भाटी के नेतृत्व में उतरी। टीम पिछले 4 वर्षों से यह बेटी प्रीमियर लीग ट्रॉफी पर कब्जा जमा रही है। इस अवसर पर टीम की हौंसला अफजाई करते हुए बताया कि सुरक्षा, शिक्षा, स्वाभिमान को समर्पित बेटी टीम को सम्मानित कर हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहें है। आज देष की बेटियां हर क्षेत्र में नाम कमा रहा है। समाज, राजनीति, खेल, बॉलीवुड, सरकारी कार्यालयों से लेकर विदेषों तक भारत देश का नाम रोशन कर रही है। इसलिए बेटी का आदर करते हुए उनको बढ़ावा देना चाहिए और उनकी प्रतिभा को निखारना चाहिए।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज की 557 दिवसीय व्रत साधना

07 दिवस के पश्चात हुआ मंगल पारणा

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया। सिंह निष्क्रिड़ित उत्कृष्ट व्रत साधना करने वाले एक नया विश्व इतिहास कायम करने वाले इस सदी के महान तपस्वी ''अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज की 557 दिवसीय व्रत साधना मे 07 दिवस के पश्चात आज हुआ मंगल पारणा'' तीर्थ राज सम्मेदशिखर जी के पावन भूमि बीसपंथी कोठी में सम्पन्न हुई। इस पारणा में तीर्थराज में विराज मान लगभग 60 पीछी धारी के साथ सेकड़ो लोग उपस्थित हुवे । इस पारणा में सभी त्यागी बंधु आहार देने के लिए सेकड़ो की संख्या में उपस्थित थे।

कुछ बनो ना बनो-अच्छा इन्सान अवश्य बनो: आचार्य श्री सुनील सागर जी

महावीर स्कूल में उमड़े श्रद्धालु, आचार्य श्री के सानिध्य में बड़ी चौपड़ पर आज होगी विशाल धर्मसभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्कूल में आकर मुझे भी अपने स्कूली जीवन की याद आ गई।आपका अनुशासन एवं शांति मुझे भा गई।ये कहना है आचार्य सुनील सागर महाराज का। महाराज श्री शुक्रवार को सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल प्रांगण में आयोजित धर्म सभा में मंगल प्रवचन कर रहे थे। आचार्य श्री ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पानी से नहाने वाले केवल लिबास बदलते हैं। पसीने से नहाने वाले इतिहास बदलते हैं। अतः बच्चों हमें इतिहास बदलने वाला बनना है। आचार्य श्री ने कहा कि बिना पुरुषार्थ किए जीवन में ऊंचाईयां हासिल नहीं कर सकते अतः पुरुषार्थ करें एवं ऊंचाईयां छूकर अपने जीवन को धन्य बनाए।जो मनुष्य संघर्ष की राह चलता है, वहीं एक दिन सूरज सा चमकता है। अपने प्रवचन में आचार्य श्री ने अपने देश की भाषा हिन्दी में अधिक से अधिक काम करने का सभी से आव्हान किया। उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ बनो ना बनो लेकिन अच्छा इन्सान अवश्य बनो। इससे पूर्व धर्म सभा में णमोकार महामंत्र के मंगलाचरण पश्चात श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के संरक्षक अशोक जैन नेता, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयुक्त मंत्री कमल बाबू जैन, कार्यकारिणी सदस्य मनीष बैद,विनोद जैन 'कोटखावदा', समाजश्रेष्ठी हेमन्त सोगानी, कुशल ठोलिया, ओम प्रकाश काला 'मामाजी,पदम बिलाला, प्रदीप जैन आदि ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। तत्पश्चात आचार्य श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पादपक्षालन का पुण्यार्जन भी परिषद के पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र-छात्राए,अध्यापकगण एवं श्रद्धालु गण शामिल हुए। इस मौके पर वरुण पथ मानसरोवर सहित कई कालोनियों के श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पूर्व प्रातः आचार्य सुनील सागर एवं आचार्य शशांक सागर महाराज एवं संघ के कई संतों ने सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ चौड़ा रास्ता, चौकड़ी मोदीखाना क्षेत्र के दिगम्बर जैन मन्दिरों के सामूहिक दर्शन लाभ प्राप्त किए। आचार्य श्री ने महावीर स्कूल भवन का अवलोकन कर अच्छे प्रबंधन के लिए कार्यकारिणी की प्रशंसा की। मंत्री सुनील बख्शी ने अपने उदबोधन में स्कूल के इतिहास पर प्रकाश डाला। मुख्य संयोजक कुशल ठोलियां एवं विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शनिवार, 19 नवम्बर को प्रातः 7.30 बजे बड़ी चौपड़ पर आचार्य श्री के सानिध्य में विशाल धर्मसभा होगी। धर्म सभा में राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों एवं विभिन्न धर्मों के गणमान्य लोगों, जयपुर महानगर सहित आसपास के गांवों कस्बों से के महिला मण्डल, युवा मण्डल, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, मंदिर कमेटियों, दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान जैन युवा महासभा,पुलक मंच परिवार के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन एवं श्रद्धालु गण शामिल होंगे। विभिन्न कालोनियों से आने जाने के लिए बसों की निः शुल्क व्यवस्था की गई है। मुख्य संयोजक विनोद जैन कोटखावदा एवं विशाल ठोलिया के मुताबिक शनिवार को आचार्य श्री ससंघ की आहार चर्या एवं सामायिक के बाद दोपहर 2.00 बजे ठोलिया के मंदिर से बाहरली आमेर के लिए मंगल विहार होगा। जहां संघ का रात्रि विश्राम होगा। रविवार को प्रातः 6.00 बजे आचार्य श्री ससंघ का आमेर से कूकस स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चन्द्र प्रभू के लिए मंगल विहार होगा जहां आचार्य श्री ससंघ के सानिध्य में तीन दिवसीय आयोजन होंगे।

अग्रवाल डायमंड परिवार की अनूठी पहल

राहगीरों को हेलमेट भेंट किये

वर्षों से जीवन बचाने के पुण्य का कार्य निरंतर जारी

कोटा. शाबाश इंडिया

अग्रवाल डायमंड परिवार के द्वारा स्वर्गीय सेठ बजरंग लाल जी जैन एवं सेठानी श्रीमती मोहिनी देवी जैन की 22वी पुण्यतिथि पर कोटा में मेन चौपाटी बाजार पर चौपाटी चौराहे शॉपिंग सेंटर कोटा में राहगीरों को मुफ्त हेलमेट भेट किये तथा जीवन बचाने के लिए हेलमेट पहन कर ही वाहन चलाने का संदेश भी दिया गया। अग्रवाल डायमंड परिवार के ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ ने बताया कि उनके पिताजी सेठ बजरंग लाल जैन एवं सेठानी श्रीमती मोहनी देवी जैन की 22वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति लोगों के जीवन बचाने के लिए हेलमेट नहीं पहनने वाले लोगों को निशुल्क हेलमेट वितरण का कार्यक्रम इस वर्ष भी आयोजित किया। कार्यक्रम में कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा, शहर पुलिस अधीक्षक केशर सिंह शेखावत, धौलपुर जिले के पूर्व कलेक्टर राकेश जयसवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (कोटा मुख्यालय) राम कल्याण मीणा ने राहगीरों को हेलमेट पहनने की हिदायत दी तथा अग्रवाल डायमंड परिवार के द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराए गए हेलमेट पहना कर जीवन रक्षा करते हुए अपने परिवार की रक्षा करने का संकल्प दिलाकर रवाना किया है । मंच संचालन करते हुए ओम पंचोली ने कहा कि अग्रवाल डायमंड परिवार का लोगों का जीवन बचाने के उद्देश्य को लेकर पिताजी एवं माता जी की पुण्यतिथि पर किया गया हेलमेट वितरण कार्यक्रम प्रेरणादायी है। अपने संबोधन में अग्रवाल डायमंड के चेयरमैन एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन कोटा के महासचिव एवं गुरु मां विशुद्ध भक्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष श्री ओम जैन सर्राफ ने कहा कि हेलमेट को अपने जीवन का अंग बनाना चाहिए बगैर हेलमेट किसी भी सूरत में घर से बाहर नहीं निकले हेलमेट वितरण कर अग्रवाल डायमंड परिवार पुनीत कार कर रहे हैं जिसकी जितनी सराहना की जाए कम है। कोटा शहर पुलिस अधीक्षक केसर सिंह शेखावत (सीनियर आईपीएस) ने कहा ने कहा कि पिताजी एवं माता जी की पुण्यतिथि पर ओम जैन सर्राफ व माधुरी जैन सर्राफ के द्वारा राहगीरों को हेलमेट वितरण की सौगात एक अनूठी पहल है। धौलपुर जिले के पूर्व कलेक्टर आईएएस राकेश जयसवाल ने कहा कि अग्रवाल डायमंड परिवार सदैव सेवा एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहता है तथा पुण्यतिथि पर इस तरह के आयोजन कर आमजन में अच्छा संदेश देने का कार्य किया है। कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा ने राहगीरों से हेलमेट पहनकर अपने व अपने परिवार की सुरक्षा करने का संकल्प दिलाया तथा बगैर हेलमेट किसी भी सूरत में नहीं निकलने का आग्रह भी किया। ओम जैन सर्राफ, एवं माधुरी जैन सर्राफ ने संयुक्त रूप से बताया कि हमारे पिताजी एवं माता जी की 22 वीं पुण्यतिथि पर सड़क मार्ग पर बगैर हेलमेट अपनी जान को जोखिम में डालने वाले राहगीरों की समझाइश कर 101 हेलमेट का वितरण किया गया, इस अवसर पर अग्रवाल डायमंड परिवार के संगीत जैन सर्राफ एवं सुबाश्री जैन सराफ एवं सदस्य एवं यातायात पुलिस के जवान अधिकारी कर्मचारी गण तथा शुभचिंतक एवं मित्रगण उपस्थित रहे।

जिंदगी में किसी सुदामा के कृष्ण बनों, नहीं बन पाएगा कोई विभीषण: समकितमुनिजी

सहायता व सेवा करें लेकिन किसी का स्वाभिमान नहीं हो आहत। दो दिवसीय प्रवचनमाला कृष्ण-सुदामा चरित्र का समापन

भीलवाड़ा/कोटड़ी. शाबाश इंडिया

जिंदगी कृष्ण बनने का सुअवसर सबको देती है। तुम भी किसी सुदामा के लिए कृष्ण बन सकते हो। जिंदगी में किसी एक सुदामा के कृष्ण अवश्य बनो। सुदामा के कृष्ण नहीं बनने पर समय आने पर सुदामा दूसरों के हो जाते है। तुम अपने भाई व मित्र का ध्यान नहीं रखोगे तो दूसरे उसे अपने पाले में लेने के लिए तैयार है। आप किसी के कृष्ण बने तो वह आपको पूरी जिंदगी दुआ देगा। ये विचार आगम मर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शुक्रवार को यहां चारभुजानाथ मंदिर प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रवचनमाला **''दोस्ती की अमरकथा कृष्ण-सुदामा चरित्र''** के अंतिम दिन व्यक्त किए। उन्होंने कृष्ण-सुदामा चरित्र से जुड़े विभिन्न पहलूओं की चर्चा करते हुए कहा कि मित्रता छोटा-बड़ा, उंच-नीच कुछ भी नहीं केवल भावना देखती है और इसकी कोई सीमा नहीं होती है। इसीलिए सुदामा की भेंट दो मुट्ठी चावल पर द्वारिकाधीश भगवान कृष्ण ने दो लोक कुर्बान कर दिए। कृष्ण भगवान चाहते थे मित्र में कोई अंतर नहीं रहे इसलिए वह सुदामा बन जाना और सुदामा को अपना जैसा बना लेना चाहते थे। मुनिश्री ने कहा कि हम एक परिवार के कृष्ण भी बने तो कोई विभीषण नहीं बन पाएगा। जहां भी जरूरत हो सहायता व सेवा करें लेकिन ये ध्यान रखे कि उससे सुदामा का स्वाभिमान आहत नहीं हो। भगवान कृष्ण ने जिस तरह बिना कुछ बताए अपने मित्र को दो लोक भेंट कर दिए उसी तरह की सेवा हम करनी चाहिए। समकितमुनिजी ने कृष्ण-सुदामा मिलन के प्रसंग का चित्रण करते हुए जब **''अश्रु जल से पैर धो रहे जग के पालनहार, चावल की पोटली ले आए मोहन घरद्वार''** गीत प्रस्तुत किया तो सैकड़ो श्रावक-श्राविकाओं ने उनके साथ सुर मिलाते हुए माहौल भाव व भक्ति से परिपूर्ण बना दिया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ऐसे विराट व्यक्तिव थे जिनमें लगता सारे गुण आकर समाहित हो गए। वह सबके लिए जीए और सबके लिए करते हुए आगे बढ़े इसी कारण आज भी दुनिया में उनके गीत गाए जाते है। उन्होंने कहा कि सिर्फ अपने पेट व पेटी की चिंता करते हुए ऐसे ही सोए रहे तो दूसरे हम पर हावी होते जाएंगे। गलती हम कर रहे है हो सकता भुगतान आने वाली पीढ़ियों को करना पड़े। पूज्य समकितमुनिजी ने कोटड़ी श्रीसंघ की सराहना करते हुए कहा कि श्रीसंघ ने दो दिन के प्रवास में ही चातुर्मास जैसा माहौल बना दिया।

नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर तथा रक्तदान शिविर का आयोजन 20 नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन संघटना पिंक सिटी जयपुर, श्री राम आशापूरन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं स्वर्गीय श्री विजय राज कोठारी चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर के संयुक्त तत्वाधान नवीन भंडारी के जन्म दिवस के उपलक्ष में नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर तथा रक्तदान शिविर का आयोजन 20 नवंबर को प्रातः 09:00 से 1:00 बजे के मध्य तलवारिया मैरिज गार्डन, 80 फीट रोड; महेश नगर, जयपुर पर होगा।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ के सेवा सप्ताह में कच्ची बस्ती में जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ के सेवा सप्ताह के दौरान 18 नवंबर 2022 को कच्ची बस्ती में जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरण किया गया। मुख्य समन्वयक सुनील सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम में अध्यक्ष अभय गंगवाल, संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी मुनिया सोगानी, मंजू जैन, रानू जैन एवं अन्य कई सदस्यगण उपस्थित थे ।

झड़वासा के 10 विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन

शारीरिक शिक्षिका आरती शेर और बच्चों की मेहनत रंग लाई

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद। क्षेत्र में झड़वासा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 10 विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ। प्रधानाचार्य कौशल्या यादव व शारीरिक शिक्षिका आरती शेर ने बताया की जिला स्तरीय आयोजित प्रतियोगिता में टेनिस बाल क्रिकेट में जिला स्तर पर थर्ड मेंडल में विद्यालय की छात्रा अंजू, कर्मा, कोमल, ममता कक्षा 11 वीं व टीना चौधरी कक्षा 10 वीं का चयन हुआ। इसी तरह छात्रों में हनुमान कक्षा 11 वीं, राहुल बंडोलिया कक्षा 12 वीं और पंकज वैष्णव कक्षा 11 वीं का भी टेनिस बाल क्रिकेट में राज्य स्तर में चयन हुआ। ऐसे ही सुखपाल कक्षा 10 वीं और अरविंद कक्षा 9 वीं के छात्रों का भी स्पीड बाल जिला स्तर पर गोल्ड मेंडल का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। प्रधानाचार्य यादव ने बताया की झड़वासा विद्यालय के बच्चों को खेल प्रतियोगिता में इस स्तर पर लाने के लिए विद्यालय की शारीरिक शिक्षिका आरती शेर और खिलाड़ी बच्चों की पुरजोर मेहनत रंग लाई जो पिछले 3 माह से मेहनत कर रहे थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com